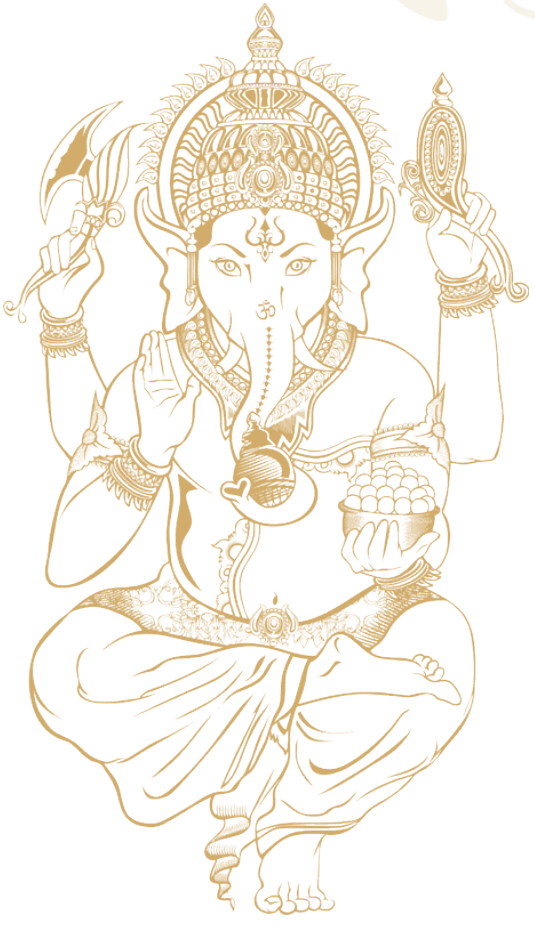

Mr. Babulal

18 Dec 1999

04:00 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 120974202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/12/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	51:36:32 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:23:28 घंटे
वेलान्तर	00:04:09 घंटे
साम्पातिक काल	09:07:54 घंटे
सूर्योदय	07:21:23 घंटे
सूर्यास्त	17:43:31 घंटे
दिनमान	10:22:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:41:06 धनु
लग्न के अंश	17:15:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:15:21	310:04:02	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	01:41:06	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	25:24:37	13:56:04	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			मक	22:49:21	00:46:27	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	15:55:52	01:28:18	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मेष	01:10:11	00:00:34	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	20:15:04	01:11:16	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मेष	17:01:08	00:02:41	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	10:33:28	00:03:25	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:33:28	00:03:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:16:30	00:02:35	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:50:55	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:04:03	00:02:17	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	20:39:07	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:09

लग्न-चलित

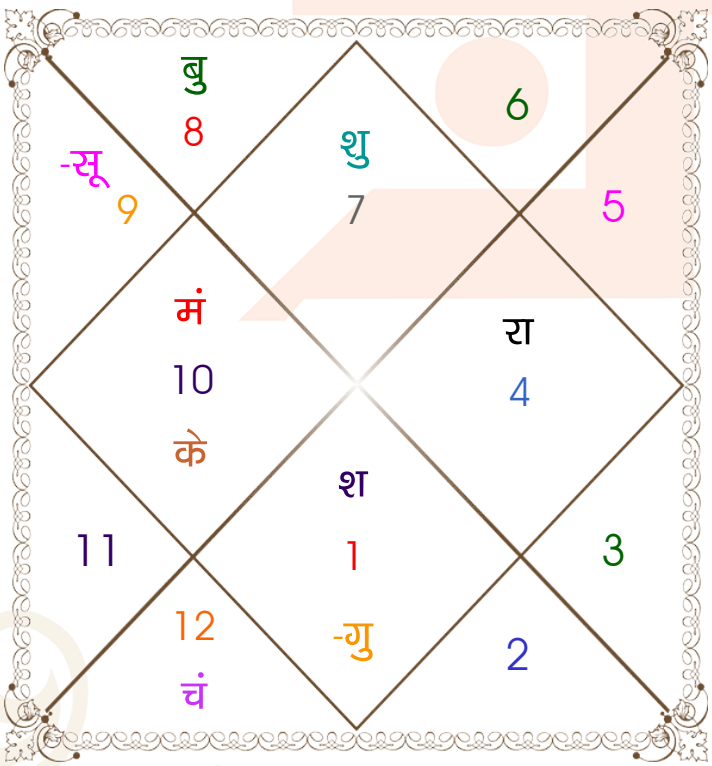

चन्द्र कुंडली

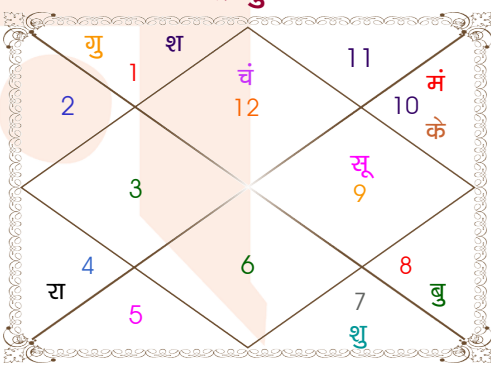

नवमांश कुंडली

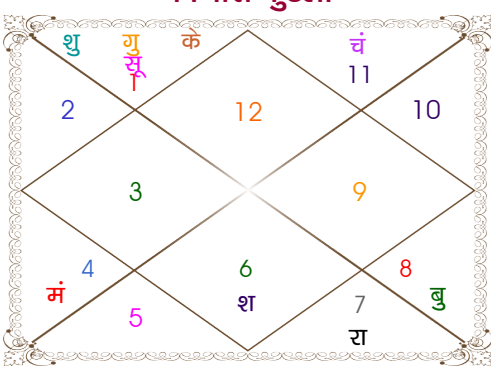

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 10 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/12/1999		24/10/2005		24/10/2012		24/10/2032		24/10/2038	
24/10/2005		24/10/2012		24/10/2032		24/10/2038		24/10/2048	
	00/00/0000	केतु	22/03/2006	शुक्र	23/02/2016	सूर्य	10/02/2033	चंद्र	25/08/2039
	00/00/0000	शुक्र	22/05/2007	सूर्य	23/02/2017	चंद्र	12/08/2033	मंगल	25/03/2040
	00/00/0000	सूर्य	27/09/2007	चंद्र	24/10/2018	मंगल	18/12/2033	राहु	24/09/2041
	00/00/0000	चंद्र	27/04/2008	मंगल	24/12/2019	राहु	12/11/2034	गुरु	24/01/2043
	00/00/0000	मंगल	23/09/2008	राहु	24/12/2022	गुरु	31/08/2035	शनि	24/08/2044
	18/12/1999	राहु	12/10/2009	गुरु	24/08/2025	शनि	12/08/2036	बुध	23/01/2046
राहु	08/11/2000	गुरु	18/09/2010	शनि	24/10/2028	बुध	18/06/2037	केतु	24/08/2046
गुरु	14/02/2003	शनि	28/10/2011	बुध	25/08/2031	केतु	24/10/2037	शुक्र	24/04/2048
शनि	24/10/2005	बुध	24/10/2012	केतु	24/10/2032	शुक्र	24/10/2038	सूर्य	24/10/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/10/2048		25/10/2055		24/10/2073		24/10/2089		25/10/2108	
25/10/2055		24/10/2073		24/10/2089		25/10/2108		00/00/0000	
मंगल	22/03/2049	राहु	07/07/2058	गुरु	12/12/2075	शनि	27/10/2092	बुध	23/03/2111
राहु	09/04/2050	गुरु	29/11/2060	शनि	25/06/2078	बुध	07/07/2095	केतु	20/03/2112
गुरु	16/03/2051	शनि	06/10/2063	बुध	29/09/2080	केतु	15/08/2096	शुक्र	19/01/2115
शनि	24/04/2052	बुध	25/04/2066	केतु	05/09/2081	शुक्र	15/10/2099	सूर्य	25/11/2115
बुध	21/04/2053	केतु	13/05/2067	शुक्र	06/05/2084	सूर्य	27/09/2100	चंद्र	25/04/2117
केतु	18/09/2053	शुक्र	13/05/2070	सूर्य	23/02/2085	चंद्र	29/04/2102	मंगल	23/04/2118
शुक्र	18/11/2054	सूर्य	07/04/2071	चंद्र	25/06/2086	मंगल	08/06/2103	राहु	19/12/2119
सूर्य	26/03/2055	चंद्र	06/10/2072	मंगल	31/05/2087	राहु	14/04/2106		00/00/0000
चंद्र	25/10/2055	मंगल	24/10/2073	राहु	24/10/2089	गुरु	25/10/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 9 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।